राजनीतिक

● आरआईएल में प्रमुख पदों पर आईएएस और अन्य लोग

आरआईएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश डी अंबानी 120 बिलियन डॉलर की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नेतृत्व कर रहे हैं, जो ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स, रिटेल, नई ऊर्जा और नई सामग्री, डिजिटल सेवाएं, मीडिया और मनोरंजन तथा फैशन और जीवनशैली जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से विविधता ला रही है। आरआईएल के पास कुछ 'बेहतरीन दिमाग' हैं, जिनमें नौकरशाहों, बुद्धिजीवियों, दिग्गज बैंकरों और प्रभावशाली व्यक्तित्वों का एक समृद्ध और अनुभवी समूह शामिल है, जो एक से अधिक तरीकों से इसके विकास में योगदान करते हैं। समूह में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन शक्तिशाली पदाधिकारियों की सूची पर एक नज़र डालें। विस्तृत कहानी व्हिस्पर्स इन द कॉरिडोर पत्रिका के नवंबर अंक में उपलब्ध है।

संजीव सिंहग्रुप अध्यक्ष रमिंदर एस गुजराल स्वतंत्र निदेशक अरुंधति भट्टाचार्य स्वतंत्र निदेशक केवी चौधरी स्वतंत्र निदेशक के वी कामथ स्वतंत्र निदेशक राजीव महर्षि स्वतंत्र निदेशक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएसएल) सुब्रत राठो सलाहकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अंशु प्रकाश स्वतंत्र निदेशक, रिलायंस रिटेल लिमिटेड डॉ. थॉमस मैथ्यू स्वतंत्र निदेशक हितल आर. मेसवानी कार्यकारी निदेशक निखिल आर मेसवानी कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद कार्यकारी निदेशक डॉ. शुमीत बनर्जी, स्वतंत्र निदेशक महामहिम यासिर ओथमान एच अल रुमाय्यान स्वतंत्र निदेशक हेग्रीव खेतान स्वतंत्र निदेशक

प्रशासनिक

● आईएएस अनु कुमारी ने बच्चों की सुरक्षा और कल्याण के लिए केरल के पहले व्यापक यौन शिक्षा अभियान का नेतृत्व किया

आईएएस अनु कुमारी 2018 बैच की केरल कैडर की हैं

और वर्तमान में तिरुवनंतपुरम की जिला कलेक्टर के पद पर तैनात हैं। सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ते हुए जिले के लिए उनका दृष्टिकोण व्यापक यौन शिक्षा के साथ युवा दिमागों को सशक्त बनाकर बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर केंद्रित है। इस पहल का उद्देश्य आज की जटिल दुनिया में नेविगेट करने के लिए आवश्यक आयु-उपयुक्त ज्ञान प्रदान करना और उन्हें अनुपयुक्त या अनुचित स्थितियों का जवाब देने के तरीके से लैस करना है। 'कई परिवारों और स्कूलों को बच्चों के साथ सहमति, लिंग पहचान और यौन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों पर चर्चा करना मुश्किल लगता है।' वह बताती हैं

इस अंतर को पाटने के लिए प्रोजेक्ट एक्स की शुरुआत की गई, जो केरल का पहला व्यापक यौन शिक्षा अभियान है। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में स्वस्थ संबंध, शरीर की छवि, व्यक्तिगत सीमा, बच्चों के यौन अधिकार और जिम्मेदारियाँ और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम का अवलोकन सहित कई विषय शामिल हैं। इसमें सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल हैं, जिससे छात्र सवाल पूछ सकते हैं और अपनी शंकाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। 'प्रोजेक्ट एक्स का उद्देश्य इस अंतर को भरना है, छात्रों को सीखने, बढ़ने और उनकी सुरक्षा पर जोर देते हुए ज्ञान की मजबूत नींव बनाने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करना है।'

उनके नेतृत्व में प्रोजेक्ट एक्स अपने दूसरे चरण में सफलतापूर्वक चल रहा है और 150 स्कूलों तक फैल चुका है, जिसका लक्ष्य वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के अंत तक 15,000-16,000 छात्रों तक पहुंचना है। इसके अतिरिक्त, जरूरतमंद छात्रों को और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए एक टोल-फ्री सीएसई टेली-काउंसलिंग सेवा शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। 'छात्र समुदाय की प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है, जबकि इसने उनमें से कई को अपने बुरे व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में खुलकर बात करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान किया; इसने उन्हें बिना किसी अपराधबोध के ऐसी स्थितियों से उचित तरीके से निपटने का आत्मविश्वास भी दिया।' उन्होंने टिप्पणी की इसके साथ ही, कुमारी तिरुवनंतपुरम में जल पुनर्भरण योजना के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता को भी संबोधित कर रही हैं, जिसका शीर्षक है 'भूजल को पुनर्जीवित करना, भविष्य को सुरक्षित करना- तिरुवनंतपुरम के जल लचीलेपन के लिए सतत पुनर्भरण'।

योजना तीन चरणों में पूरी की जाएगी और इसका उद्देश्य भूजल स्तर में सुधार लाना तथा भविष्य के लिए सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। चरण 1 में तीन अर्ध-महत्वपूर्ण क्षेत्रों- परसाला, नेदुमंगद और पोथेनकोडे को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद शेष अर्ध-महत्वपूर्ण क्षेत्रों- अथियान्नूर, चिरायिनकीझु और वर्कला- के साथ-साथ सुरक्षित क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जाएगा। 'लक्ष्य इन छह अर्ध-महत्वपूर्ण ब्लॉक पंचायतों को सुरक्षित क्षेत्रों में बदलना है, जिससे अंततः प्रभावी दीर्घकालिक जल प्रबंधन के लिए 11 सुरक्षित क्षेत्र प्राप्त होंगे।

● न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई नालसा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

● न्यायमूर्ति सूर्यकांत एससीएलएससी का अध्यक्ष नियुक्त

सर्वोच्च न्यायालय के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति (एससीएलएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

● दिनेश शुक्ला भी पीईडी, कैमटेक हैं

दिनेश शुक्ला, जो वर्तमान में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) में प्रधान कार्यकारी निदेशक (आरएस) के रूप में कार्यरत हैं, को उन्नत रखरखाव प्रौद्योगिकी केंद्र (कैमटेक) में प्रधान कार्यकारी निदेशक (पीईडी) के पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वह भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी हैं।

महाकुम्भ विशेष : चार जोन में 107 बीटों के रक्षक करेंगे 45 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा

दस कम्पनी पीएसी, एसडीआरएफ, एनडीआरफ और 141 सुरक्षाकर्मी के अलावा 700 नावों पर तैनात रहेंगे रक्षक

प्रयागराज।

महाकुम्भ को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखते हुए 45 करोड़ लोगों की सुरक्षा का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है।

इसके लिए जल पुलिस के लिहाज से चार जोन का सुरक्षा घेरा बनाया गया है। जिसमें बाकायदा 107 बीटों में बंटे सुरक्षाकर्मी आने वाले श्रद्धालुओं की हिफाजत के लिए तैनात रहेंगे। यहां कुल 10 कम्पनी पीएसी, एसडीआरएफ, एनडीआरफ और 141 सुरक्षाकर्मियों के अलावा 700 नावों पर रक्षक तैनात किए जा रहे हैं। इनके साथ स्वास्थ्य कर्मियों की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं।

107 बीटों पर तैनात रहेंगे सुरक्षा कर्मी : आईजी पीएसी पूर्वी जोन डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि महाकुम्भ में 10 कम्पनी पीएसी देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैद रहेगी। संगम में स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया गया है। जिसमें सुरक्षा कर्मियों को 107 बीटों में बांटा गया है। स्नानार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिए बकायदा चिकित्सक और जन औषधि केंद्रों से युक्त आधुनिक वाटर कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं। जल पुलिस अलग से थाने और चौकियों के साथ 16 सब कंट्रोल रूम बनाने की तैयारी में लगी है। जिससे पलक झपकते ही श्रद्धालुओं को हर सुविधा मुहैया कराई जा सके।

रिफ्लेक्टिव रिवर लाइन का नहीं किया जा सकेगा उल्लंघन : उन्होंने बताया कि कोई अनहोनी न होने पाए, इसके लिए थर्मो-प्लास्टिक के फ्लोटिंग ब्लॉक्स को जोड़कर बैरिकेडिंग बनाई जा रही है, जिस पर 24 घंटे पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। स्नान के दौरान नावों के टकराने की कोई आशंका नहीं रहेगी, इसके भी पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं। जिसके तहत सौर ऊर्जा का प्रयोग कर रिफ्लेक्टिव रिवर लाइन बनाई जा रही है। जिसकी वजह से कोई भी नाविक लेन का उल्लघंन नहीं कर पाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने विशेष इंतजाम किए हैं। इसके तहत जल पुलिस को चार जोन में बांटकर सुरक्षा घेरा बनाया गया है।

पहला जोन (संगम क्षेत्र) : पहला संगम का घेरा रहेगा, जिसमें 25 बीट में 290 पीएससी, एसडीआरएफ, एनडीआरफ, 8 पीएससी गोताखोर, 30 सुरक्षाकर्मी, 18 प्राइवेट गोताखोर, 26 होमगार्ड, 27 मोटर बोट और 113 नाव सुरक्षा इंतजाम में लगाए गए हैं।

दूसरा जोन (बरगद घाट) : दूसरा बरगद घाट का घेरा रहेगा। इस दूसरे जोन में 28 बीट में 33 सुरक्षाकर्मी, 100 पीएसी व एनडीआरएफ एसडीआरएफ, 50 होमगार्ड, 40 पीएससी गोताखोर, 50 प्राइवेट गोताखोर, 24 मोटर बोट और 77 नाव रहेंगी।

तीसरा जोन (संगम क्षेत्र से दुर्वासा) : तीसरा जोन संगम क्षेत्र से दुर्वासा का होगा। इस तीसरे जोन में 16 बीट के अंतर्गत 21 सुरक्षाकर्मी, 68 पीएसी व एसडीआरएफ, एनडीआरफ, 16 प्राइवेट गोताखोर, 28 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 99 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध रहेगी।

चौथा जोन (संगम क्षेत्र से फाफामऊ) : चौथा जोन 38 बीटों वाला रहेगा, जिसमें 50 सुरक्षाकर्मी और पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ 210, 14 पीएससी गोताखोर, 19 प्राइवेट गोताखोर, 64 होमगार्ड, 33 मोटर बोट और 311 नाव रहेंगी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अनुसंधान और शैक्षिक उत्कृष्टता में स्थापित किए नए मील के पत्थर

गोरखपुर।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व एवं कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की दूरदर्शी मार्गदर्शन में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयूजीयू) अनुसंधान और शैक्षिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर रहा है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रकाशनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2020 में 98 स्कोपस- सम्बद्ध अनुसंधान पत्रों से शुरू हुआ यह आंकड़ा 2024 तक बढ़कर 242 हो गया है।जो ढाई गुना वृद्धि की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में डीडीयूजीयू ने 30 पेटेंट दायर किए हैं और 50 अतिरिक्त पेटेंट और कॉपीराइट दायर करने की तैयारी में है, जो विश्वविद्यालय की नवाचार और बौद्धिक संपदा विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अनुसंधान क्षमताओं को और सशक्त करते हुए, डीडीयूजीयू ने रूश्रक्र (बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय) योजना के तहत 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त की है, जिससे इसके अनुसंधान अवसंरचना और शिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की इन असाधारण उपलब्धियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भी मान्यता प्राप्त हुई है, जिसने डीडीयूजीयू को श्रेणी 1 संस्थान के रूप में मान्यता दी है। विश्वविद्यालय ने स्किम्मागो वर्ल्ड रैंकिंग,क्यू एस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया रैंकिंग और वेबोमेट्रिक्स रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है, साथ ही नैक ए प्लस प्लस मान्यता से भी सम्मानित हुआ है।

हजारों दियों के प्रकाश से जगमग हुई कुशीनगर की हिरण्यवती नदी

कुशीनगर।

कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली व गुरुनानक देव के 555वें प्रकाश पर्व के अवसर पर शुक्रवार की देर शाम कुशीनगर की बुद्धकालीन हिरण्यवती नदी हजारों दियों के प्रकाश से जगमगा उठी। लोगों ने दीपक के प्रकाश के भांति समाज में उजियारा फैलाने व मनीषियों के दिखाए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया।

वाइटल केयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हुए आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान समय में जब सनातन धर्म व संस्कृति पर बाहरी ताकते हमला कर रही हो, ऐसे आयोजनों की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। उन्होंने पर्यटन विकास के लिए भी इसे जरूरी बताया। पूर्व विधायक ने आयोजन की निरंतरता बनाए रखने और इसे और भव्य बनाने के साथ विदेशी पर्यटकों और आम जन की अधिकाधिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। कहा कि आयोजन में पर्यटक आयेंगे तो वह सनातन भारतीय संस्कृति व संस्कार के आयाम को जानने के साथ आत्मसात भी कर सकेंगे।

विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि देव दीपावली दिव्यता धारण करने का पर्व है। देवता भी देवलोक से दीपावली मनाने पृथ्वी पर आते हैं। यह पर्व सुख, शांति व समृद्धि का संदेश देता है। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि आज ही के दिन गुरुनानक का जन्म हुआ था।

पीसीएस प्री परीक्षा 22 दिसम्बर को दो पालियों में होगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्री) परीक्षा 2024 जो दो दिन 7 व 8 दिसम्बर को होने वाली थी। अब 22 दिसम्बर को दो सत्रों में आयोजित होगी। आयोग के अनुसचिव ओंकार नाथ सिंह ने बताया है कि प्रतियोगी छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा 2024 की तिथि को बदलते हुए नई तिथि 22 दिसम्बर घोषित की है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतियोगी छात्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए की गई पहल के बाद लिया गया है। प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, अब यह परीक्षा एक ही दिन में सम्पन्न कराई जाएगी।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए, भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित किया

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की आराधना कर उनका अभिषेक किया।

बाबा का विधिविधान से दर्शन पूजन कर किया। मंदिर में दर्शन पूजन कर लौट रहे उपमुख्यमंत्री को देख श्रद्धालुओं ने हर—हर महादेव का उद्घोष कर उनका स्वागत किया। कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर शुक्रवार शाम को शहर में आए उपमुख्यमंत्री ऐतिहासिक सारनाथ स्थित महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर के 93वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने बौद्ध अनुयायियों के साथ भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष का दर्शन किया। वहीं शाम को उन्होंने भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर उनकी स्तुति की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री मौर्य का स्वागत बौद्ध भिक्षु सुमितानंद थेरो ने किया। इसके पहले छात्र छात्राओं द्वारा भगवान बुद्ध के सम्मान में शोभायात्रा निकाली गई और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उपमुख्यमंत्री ने महाबोधि वृक्ष का दर्शन किया और कुटी विहार के बाहर दीपदान कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े भू-भाग का सम्राट होने का गौरव अशोक महान को प्राप्त है। वे भी तथागत बुद्ध की शरण में आए और उन्होंने बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अपने पुत्र-पुत्री तथा अन्य लोगों को दूसरे देशों में भेजा। उन्होंने कहा कि तथागत बुद्ध और अशोक के समय बोलचाल व प्रचार प्रसार की भाषा पाली थी। गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति बोध गया में हुई थी लेकिन उत्तर प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर उन्होंने अपना प्रथम उपदेश दिया। तथागत बुद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने किसी की आलोचना नहीं की।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा बलों को व्यवस्था बनाए रखने तथा शांति बहाली के लिए जरूरी कदम उठाने और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में सुरक्षा परिदृश्य नाजुक बना हुआ है। संघर्ष में दोनों समुदायों के सशस्त्र उपद्रवी हिंसा में लिप्त रहे हैं, जिससे दुर्भाग्यवश लोगों की जान चली गई और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हुई। सभी सुरक्षा बलों को व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि हिंसक और विघटनकारी गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी। प्रभावी जांच के लिए महत्वपूर्ण मामले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिए गए हैं। मंत्रालय ने जनता से अपील की है कि वह शांति बनाए रखें, अफवाहों पर विश्वास न करें और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें।

सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़।

अकाल तख्त की ओर से 'तनखैया' (धार्मिक कदाचार का दोषी) घोषित किये गए सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने शनिवार को यह जानकारी दी। बादल के इस्तीफे से नये पार्टी प्रमुख के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। चीमा ने बताया कि बादल ने पार्टी कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आज पार्टी की कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया, ताकि नये अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने अपने नेतृत्व में विश्वास जताने और पूरे कार्यकाल में तहेदिल से समर्थन तथा सहयोग देने के लिए पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया है। बादल ने शिअद के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से कुछ दिन पहले अकाल तख्त के जत्थेदार से धार्मिक कदाचार के आरोपों में उन्हें सजा सुनाने का आग्रह किया था। शिअद नेता ने कहा था कि उन्हें 'तनखैया' करार दिए जाने को दो महीने से अधिक समय बीत चुका है। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने 2007 से 2017 तक अकाली दल और उसकी सरकार की ओर से की गई गलतियों के लिए बादल को 30 अगस्त को तनखैया घोषित किया था। जत्थेदार ने अभी तक बादल के लिए तनखा (धार्मिक सजा) की घोषणा नहीं की है। बादल के अकाल तख्त से कोई अस्थायी राहत पाने में नाकाम रहने के बाद शिअद ने 24 अक्टूबर को घोषणा की थी कि वह उपचुनाव नहीं लड़ेगा। एक जुलाई को पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) की पूर्व प्रमुख बीबी जागीर कौर सहित कई बागी शिअद नेता अकाल तख्त के सामने पेश हुए थे।

आपका राशिफल 17 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। परंतु बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पत्ति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व लाभसाग में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक 1 3 6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते है। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक 4 6 7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में जर्जमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दुखागमी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की योजनाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाये। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक 1 5 8

न्यायालय नजूल अधिकारी तहसील कोलार जिला भोपाल (म. प्र.)

स्थान- अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी कार्यालय डी मार्ट के पीछे कोलार रोड भोपाल

रा.प्र.क्रं. 0062/अ-20(1)/2024-25

ग्राम का नाम : शाहपुरा

तहसील कोलार, जिला-भोपाल

सार्वजनिक उद्घोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमति साधना जैन पत्नि श्री महेन्द्र कुमार जैन, श्री अभिषेक जैन, श्री अनिमेष जैन पुत्रगण श्री महेन्द्र कुमार जैन निवासीगण-डी-20 बी.डी.ए. कालोनी कोहेफिजा जिला-भोपाल (म.प्र.) ने ग्राम शाहपुरा (अरेरा कालोनी) तहसील कोलार जिला-भोपाल स्थित भूखण्ड क्रमांक ई-1/11-बी क्षेत्रफल 4856 वर्गफुट (451.30 वर्गमीटर) नजूल भूमि का पट्टा अवधि दिनांक 22.06.2024 को अवसान होने के उपरांत आगामी वर्षों हेतु पट्टा नवीनीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है, जो कि इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उपरोक्त नजूल भूमि को मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्वतन निर्देश, 2020 के अंतर्गत आगामी वर्षों हेतु पट्टा नवीनीकरण किए जाने से किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस सार्वजनिक उद्घोषणा जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति न्यायालय नजूल अधिकारी, तहसील कोलार जिला-भोपाल (म.प्र.) स्थान-अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी कार्यालय डी मार्ट के पीछे कोलार रोड भोपाल में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के बाद किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक. 13.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया ।

नजूल अधिकारी,
तहसील-कोलार, जिला-भोपाल

2538

NAME CHANGE

My Old Name was ANAM MAZHAR D/O SYED MAZHAR ALI R/O H. No. B-50, Housing Board Colony, Kohefiza Bhopal (M.P.) Now I have changed my name. My New name is now known and Called as ANUM MAZHAR.

2541

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पूर्व में नाम MOORTHY DHAYALA VINAY था जो मेरे पूर्व में बने पासपोर्ट पर दर्ज है, अब मेरा नाम बदलकर VINAY MOORTHY पुत्र THANGRAJ DHAYALA MOORTHY निवासी- B-217, न्यू मिनाल रेजिडेंसी, जे.के. रोड गोविंदपुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) हो गया है अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

2542

जाहिर सूचना

भूखण्ड क्रमांक पी 82 जो शिव बिहार कालोनी नीलबड तहसील हुजूर जिला भोपाल के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती विमला कुशवाह पत्नी पदम सिंह कुशवाह नि. ए 54 अम्बेडकर नगर साउथ टी.टी. नगर तहसील हुजूर जिला भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का भूखण्ड क्रमांक पी 82 जो ख. क्रं. 516/7 एवं 518/19 का अंश भाग है उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 25ङ्क40= 1000 वर्गफिट अर्थात 92.93 वर्गमीटर जो कि शिव विहार कालोनी नीलबड, वार्ड नं 26, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है, की बयाना राशि अदा कर विक्रय अनुबंध कर लिया है। उक्त भूखण्ड की चतुर्थ सीमांए है- पूर्व में— प्रस्तावित रोड, पश्चिम में- शेष भूमि विक्रेता की भू.क्र. पी-